मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 105
शनिवार, 26 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

भारत-जर्मनी की दोस्ती ने पकड़ी नई रफ्तार, कई समझौतों का हुआ आदान-प्रदान

पीएम मोदी बोले- हम शांति के लिए हर संभव योगदान देने को तैयार

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज से शुक्रवार को मुलाकात की और उनसे भारत-जर्मनी की दोस्ती को गति देने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान भारत और जर्मनी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों और समझौतों का आदान-प्रदान किया। नवाचार और प्रौद्योगिकी पर रोडमैप और रोजगार और श्रम के क्षेत्र में एक संयुक्त घोषणापत्र पर समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान हुआ।

इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं चांसलर स्कोल्ज और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मुझे खुशी है कि हमें पिछले 2 वर्षों में तीसरी बार भारत में आपका स्वागत करने का अवसर मिला है। मेरे तीसरे कार्यकाल की पहली IGC बैठक अभी-अभी संपन्न हुई है। हम अभी CEO फोरम की बैठक से आ रहे हैं। इसी समय, जर्मन नौसेना का जहाज गोवा में बंदरगाह पर उतर रहा है और खेल जगत भी पीछे नहीं है। हमारी हॉकी टीमों के बीच मैत्रीपूर्ण मैच भी खेले जा रहे हैं। साथियों, चांसलर स्कोल्ज के नेतृत्व में हमारी साझेदारी को नई गति और दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि मैं जर्मनी की भारत पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति के लिए चांसलर स्कोल्ज को बधाई देता हूँ। इसमें दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच साझेदारी को व्यापक तरीके से आधुनिक बनाने और आगे बढ़ाने का खाका है। महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी, कौशल, विकास और नवाचार में समग्र सरकारी पहल पर भी आम सहमति बनी है। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग मजबूत और सुरक्षित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम दोनों ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता पर सहमत हैं। हम दोनों इस तथ्य से सहमत हैं कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है।

भाजपा का उद्देश्य सत्ता हथियाकर आप सरकार के कामों को रोकना है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर । दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह हर संभव तरीके से दिल्ली में सत्ता हथियाने की कोशिश कर रही है और उसका उद्देश्य पिछले एक दशक में किए गए आप सरकार के कामों को खत्म करना है।

अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले शहर भर में चल रही पदयात्राओं के तहत केजरीवाल ने मोती नगर में एक जनसभा को संबोधित किया।

केजरीवाल ने कहा, भाजपा हर संभव तरीके से दिल्ली में सत्ता हथियाने का प्रयास कर रही है ताकि वह आप द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए सभी कार्यों को रोक सके। स्थानीय आप विधायक शिवचरण गोयल के साथ केजरीवाल मोती नगर की गलियों में घूमे और लोगों का अभिवादन किया तथा उनसे हाथ मिलाया। कई लोगों ने उन्हें माला पहनाई और सेल्फी ली।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा आप की मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं को रोकना चाहती है। केजरीवाल ने दावा किया, पिछले 75 वर्षों में इन क्षेत्रों में आप का काम बेजोड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो दिल्ली में उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों की तरह लंबी बिजली कटौती की स्थिति फिर आ सकती है। आप के आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

उच्चतम न्यायालय ने व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल को दी जमानत

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल को शुक्रवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को करीब 300 गवाहों से पूछताछ करनी है और सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है।

शीर्ष अदालत ने इस बात को ध्यान में रखा कि ढल एक साल से अधिक समय से जेल में हैं और अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। शीर्ष अदालत ने ढल को निचली अदालत द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन राहत प्रदान की। उसने ढल को प्रत्येक सुनवाई पर निचली अदालत के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया।

ढल ने उच्च न्यायालय के चार जून के उस फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

ढल को इस मामले में सीबीआई ने पिछले साल अप्रैल में गिरफ्तार किया था। ढल कथित घोटाले से जुड़े अलग-अलग मामलों में आरोपी हैं, जिनकी जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहे हैं।

गुलमर्ग में सेना के काफिले पर आतंकी हमले में 2 जवान शहीद, साथ में 2 कुली मारे गए

श्रीनगर, 25 अक्टूबर। कश्मीर के गुलमर्ग सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास हुए आतंकी हमले में सेना के साथ काम करने वाले दो सैनिक और दो नागरिक पोर्टर मारे गए। इस हमले में तीन सैनिक घायल भी हुए। यह आतंकी हमला पिछले हफ़्ते हुए लगातार हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए श्रीनगर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा आयोजित एकीकृत मुख्यालय (यूएचक्यू) की बैठक की अध्यक्षता करने के कुछ घंटों बाद हुआ। इस बैठक में सेना, पुलिस, अर्धसैनिक और खुफिया विभाग के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बृहस्पतिवार को किए गए आतंकवादी हमले में गंभीर रूप से घायल हुए दो जवानों ने दम तोड़ दिया और इसके साथ ही इस हमले में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। सैन्य बल के साथ काम करने वाले दो कुलियों की बृहस्पतिवार को मौत हो गई थी और तीन सैनिकों सहित चार लोग घायल हुए थे जिनमें से दो सैनिकों ने बाद में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग से छह किलोमीटर दूर आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर हमला दिया।

उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार शाम को बूटापथरी इलाके में सेना के वाहन पर तब गोलीबारी की जब वह अफरावत रेंज में नागिन चौकी की ओर जा रहा था। अधिकारियों ने दो कुलियों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा था कि घायल जवानों में से दो की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में सवार जवानों ने हमला होने के बाद जवाबी गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा कि यह क्षेत्र पूरी तरह से सेना के कब्जे में है और अतीत में ऐसी खबरें आई थीं कि एक आतंकवादी समूह ने गर्मियों की शुरूआत में घुसपैठ की थी और यह अफरावत रेंज के ऊंचे इलाकों में छिपा था। बूटापथरी क्षेत्र को हाल में पर्यटकों के लिए खोला गया था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि घाटी में हालिया हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उत्तरी कश्मीर के बूटापथरी क्षेत्र में सेना के वाहनों पर हमले की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण खबर है, जिसमें कुछ लोग हताहत हुए हैं। कश्मीर में हालिया हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। अब्दुल्ला ने कहा, मैं इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं और जान गंवाने वाले लोगों के प्रियजन के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि घायल पूरी तरह और शीघ्र स्वस्थ हों। पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, बारामूला में सेना के काफिले पर आतंकवादी हमले से स्तब्ध और दुखी हूं। इसकी स्पष्ट रूप से निंदा करती हूं और घायल सैनिकों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करती हूं।

गुलमर्ग में सेना के वाहन पर हमले का आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए: उपराज्यपाल सिन्हा

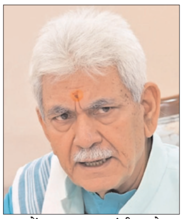

जम्मू, 25 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों को निर्देश दिया कि वे गुलमर्ग में सेना के वाहन पर हमला करने वाले आतंकवादियों को त्वरित और मुंहतोड़ जवाब दें।

आतंकवादियों ने शाम को उत्तरी कश्मीर के पर्यटक स्थल गुलमर्ग से छह किलोमीटर दूर बूटा पथरी इलाके में वाहन पर उस समय गोलीबारी की जब वह अफरावत रेंज में नागिन पोस्ट की ओर जा रहा था। हमले में बल के साथ काम करने वाले दो कुलियों की मौत हो गई और तीन सैनिकों सहित चार लोग घायल हो गए।

सिन्हा ने कहा कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उपराज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बूटा पथरी सेक्टर में हुए जघन्य आतंकी हमले पर सेना के शीर्ष अधिकारियों से बात की। आतंकवादियों को ढेर करने के लिए त्वरित और मुंहतोड़ जवाब देने के निर्देश दिए। अभियान जारी है। हमारे शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनके परिवारों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

मधु कोड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, कोयला घोटाले में सजा पर रोक से इनकार, नहीं लड़ पाएंगे चुनाव

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कोयला घोटाला मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। निचली अदालत द्वारा तीन साल की सजा काट रहे कोड़ा ने आगामी राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी। कोड़ा ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पिछले फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमें उनकी सजा पर रोक लगाने की याचिका को खारिज कर दिया गया था, ताकि वे चुनाव लड़ सकें।

उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि यह अनुरोध निराधार था, क्योंकि इसमें सिर्फ. कोड़ा के चुनाव लड़ने की योग्यता पर ही ध्यान केंद्रित किया गया था। कोड़ा को दिसंबर 2017 में भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत दोषी ठहराया गया था, जो 2006 से 2008 तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान कोलकाता स्थित विनी आयरन एंड स्टील लिमिटेड को कोयला ब्लॉक के आवंटन से संबंधित एक मामले में दोषी ठहराया गया था। दिल्ली की एक विशेष सीबीआई अदालत ने कोड़ा को तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।दिल्ली उच्च न्यायालय ने 18 अक्टूबर को कोड़ा की उस प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया था जिसमें उन्होंने सजा पर रोक लगाने का अनुरोध किया था ताकि वे 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनावों में नामांकन पत्र दाखिल कर सकें। कोड़ा की कानूनी टीम ने तर्क दिया कि सजा के खिलाफ उनकी अपील अभी भी लंबित है और अन्य बातों के अलावा, मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कोड़ा को चुनाव लड़ने की अनुमति न देने से न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में बने रहने के अधिकार पर असर पड़ा है, बल्कि मतदाताओं के उन्हें चुनने के अधिकार पर भी असर पड़ा है।

आतंकी हमलों को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादी हमलों की बढ़ती घटनाओं को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में विफल रही हैं। राहुल ने लिखा कि गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर में सेना के वाहन पर हुए कायराना हमले में हमारे वीर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। हमले में दो पोर्टर्स ने भी अपनी जान गंवा दी। शहीदों को नमन करता हूं और सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रही हैं। उनके दावों के विपरीत, हकीकत यह है कि प्रदेश निरंतर आतंकी गतिविधियों, हमारे जवानों पर हमलों और नागरिकों की लक्षित हत्याओं के कारण खतरे के साए में जी रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सरकार को तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और जल्द से जल्द वादी में अमन बहाल कर सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में गुरुवार को आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में दो सैनिक और दो नागरिक मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के कर्मियों और नागरिक कुलियों को लेकर एक काफिला अफरावत रेंज में नागिन चौकी की ओर बढ़ रहा था, तभी आतंकवादियों ने पर्यटन केंद्र गुलमर्ग से लगभग 6 किमी दूर बोटापथरी में सेना के दो ट्रकों पर गोलीबारी की।

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

-ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निमार्ताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में ह्यपंथनिरपेक्षह्ल शब्द जोड़ा गया, लेकिन ह्यपन्थनिरपेक्षह्ल शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अतः संविधान निमार्ताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दशार्ता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन- ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- ह्यधर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णतः आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।ह्ल भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अतः राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं। इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए। इससे धर्म विशेष को लेकर पार्टी के द्वारा वोटों की राजनीति चलने लगी। इसीलिये आचार्य श्री तुलसी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पी. वी. नरसिम्हाराव से इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा- जब तक सेक्युलर शब्द का सही अर्थ नहीं होगा, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की समस्या नहीं सुलझ सकती। राजीव गांधी ने इस संदर्भ में नोट्स मांगे। उन्हें विस्तार से सारी बातें उपलब्ध कराई गईं। कुछ समय बाद संविधान में सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्मनिरपेक्ष बदलकर संप्रदायनिरपेक्ष कर दिया गया। लेकिन संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी। इसीलिये संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आए बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिए गए अधिकारों की, ये सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये हिदायत दी है।

चीन के बाद नहीं लगता की हम पाकिस्तान से रिश्ते सुधार पाएंगे!

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इफ्क्रर सम्मेलन के दौरान अहम द्विपक्षीय वार्ता होने के बाद चीन व भारत के बीच अनेक समझौते हुए उसके बाद इतने वर्षों से रिश्तों पर पड़ीं बर्फ पिघलने लगी है । इससे जानकर लोगों का मानना था कि पाकिस्तान के आका चीन के ठंडे पड़ने के बाद शायद पाकिस्तान भी अपने द्वारा प्रायोजित आतंकवाद से मुहं मोड़ ले पर ऐसा लगता नहीं । एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत चल रही थी दूसरी तरफ पाकिस्तान अपनी आतंकवाद की गतिविधियों में लगा रहा । हाल ही में पाकिस्तानी प्रायोजित आतंकवादियों के हमले में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सात लोगों मारे गए हैं। यह हमला गगनगीर में एक सुरंग निर्माण स्थल पर हुआ था। अब इस मामले में पूछताछ के लिए जांच एजेंसियां जुट गई हैं। इलाके के तकरीबन 50 लोगों को पूछताछ के लिए बुलाए जाने से जुड़ी जानकारी मिल रही है। यह सभी लोग मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के बताए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार शुरूआती जांच से पता चलता है कि कर्मचारियों को निशाना बनाने वाले आतंकवादी पाकिस्तान से आए घुसपैठिए हो सकते हैं। जो बांदीपुर से जिले में आए थे। पुलिस सूत्रों ने यह भी कहा कि हमलावरों ने हाल ही में घाटी में घुसपैठ की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जीवित बचे लोगों से की गई पूछताछ से पता चलता है कि हमलावर स्थानीय नहीं थे। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि वे पाकिस्तानी आतंकवादी थे जो हाल ही में गुरेज सेक्टर से घाटी में घुसपैठ कर आए थे। एक सूत्र ने कहा, ह्लऐसा लगता है कि आतंकवादी हमले के बाद जंगलों में भाग गए हैं।

गौरतलब है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस्लामाबाद जाने के बाद ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने को बेताब है। पाकिस्तान ने भले ही ऐसा खुलकर न कहा हो, लेकिन उसके नेताओं के बयान तो इसी बात की ओर इशारा कर रहे थे । जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा के बाद वहां के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने दोनों में रिश्ते सुधरने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा है कि अगर दोनों देशों की क्रिकेट टीमें भारत में किसी प्रतियोगिता का फाइनल खेलती हैं तो वो उसे देखने भारत जा सकते हैं। आइए जानते हैं कि पाकिस्तान के नेता भारत से रिश्ते सुधारने पर इतना जोर क्यों दे रहे हैं। दरअसल पाकिस्तान आर्थिक और राजनीतिक अस्थीरता के दौर से गुजर रहा है। देश में गठबंधन की सरकार चल रही है। उसके एक पूर्व प्रधानमंत्री को जेल में बंद करके रखा गया है। संसद में सबसे अधिक सांसदों वाले दल को सरकार नहीं बनाने दिया गया। अर्थव्यवस्था रसातल में चली गई है। पाकिस्तान इस साल सितंबर में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से सात अरब डॉलर का कर्ज लिया है। आईएमएफ से उसने रिकॉर्ड 25वीं बार कर्ज लिया है। आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान के 2023 में कुल कर संग्रह का 68 फीसदी हिस्सा तो केवल कर्ज का व्याज चुकाने में ही चला गया। इस हालात में भी उसके अपने सभी पड़ोसियों से संपर्क खराब चल रहे हैं। व्यापार ठप है। इस हालात से निपटने के लिए ही पाकिस्तान भारत के साथ संबंधों को सुधारने पर जोर दे रहा है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इस बात पर जोर देते रहते है कि भारत और पाकिस्तान को अतीत को भूलकर अच्छे पड़ोसियों की तरह रहना चाहिए। उनके इस बयान को एस जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा के बाद भारत से रिश्ते सुधारने की पहल के रूप में देखा जा रहा था । उन्होंने जयशंकर की यात्रा को ह्यअच्छी शुरूआत' बताया और उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष सकारात्मक रुख के साथ आगे बढ़ेंगे। नवाज शरीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अचानक लाहौर यात्रा को भी याद करते रहते है । 9 साल पहले पीएम नरेंद्र मोदी पाकिस्तान गए थे। 25 दिसंबर, 2015 को पीएम अचानक से लाहौर पहुंच गए थे। असल में गए वे अफगानिस्तान दौरे पर थे, लेकिन अंतिम दिन दिल्ली आते वक्त वे 150 मिनट के लिए पाकिस्तान में रुके। किसी को भी उनके उस दौरे की जानकारी नहीं थी, लेकिन पीएम ने एक बड़ा कूटनीतिक दांव चलते हुए पाकिस्तान लैंड होने का फैसला किया। वहां पर तब के तत्कालनी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने काफी गर्मजोशी से पीएम का स्वागत किया था, उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर तक दिया गया। बाद में मोदी नवाज की पोती के निकाह में शामिल हुए और फिर भारत वापस लौटे। अब उस दौरे के बाद ऐसा माना गया कि भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में सुधार हो सकता है। लेकिन फिर उरी हमला और फिर पुलवामा ने खटास बढ़ाने का काम कर दिया।

इस अवसर पर नवाज शरीफ ने कहा कि भारत-पाकिस्तान ने 75 साल इसी तरह लड़ते हुए बिताए हैं, हमें इसे अगले 75 सालों तक नहीं चलने देना चाहिए। उनका कहना है कि पीएमएल-एन की सरकारों ने दोनों देशों के बीच के रिश्ते को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की है।दोनों पक्षों को मिल-बैठकर चर्चा करनी चाहिए कि आगे कैसे बढ़ना है। एस जयशंकर और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इसहाक डार की मुलाकात से उम्मीद जगी कि शायद दोनों देशों के बीच क्रिकेट रिश्ते बहाल हो जाएं।नवाज शरीफ ने भी भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू करने की वकालत की । उनका कहना है कि अगर दोनों टीमें पड़ोसी देश में किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में खेलती हैं तो वह भारत जरूर जाना चाहेंगे। इतना ही नहीं नवाज शरीफ ने दोनों दोशों के बीच व्यापारिक संबंधों के महत्व पर भी जोर दिया था।

नवाज शरीफ ने 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दिल्ली-लाहौर बस यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वाजपेयी को आज भी लाहौर घोषणापत्र और उस समय उनके शब्दों के लिए याद किया जाता है। वह जब उस यात्रा के वीडियो देखते हैं तो उन सुखद यादों को महसूस करके बहुत अच्छा लगता है।

ज्ञात हो कि भारत ने पाकिस्तान संग रिश्ते सुधारने और अमन बनाए रखने की हमेशा बहुत कोशिशें की, लेकिन सब बेकार साबित हुईं। पाकिस्तान हमेशा ही ऐसी कोशिशों पर पानी डालता रहा है।वाजपेयी और नवाज शरीफ के बीच द्विपक्षीय मसौदे पर हस्ताक्षर हुए थे। इसमें था कि दोनों देशों के बीच जंग नहीं होगी। लेकिन कुछ ही महीनों बाद पाकिस्तान ने भारत को करगिल युद्ध का जख्म दे दिया। नवाज शरीफ ने खुद इस बात को स्वीकार किया था कि लाहौर समझौते पर पाकिस्तान ने पानी डाल दिया।उन्होंने माना था कि 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए उसके बाद वाजपेयी वहां गए और उनके साथ समझौता किया। लेकिन पाकिस्तान ने उस समझौते का उल्लंघन किया,यह उनकी गलती थी। सभी जानते है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले काफी समय से बदहाल है। सितंबर में खबर आई थी कि खर्चों में कटौती करने के लिए उसने डेढ़ लाख नौकरियों तक में कटौती कर दी। इसके साथ ही उसने छह मंत्रालय भंग किए और दो मंत्रालयों का विलय कर दिया। उसके पास इन मंत्रालयों को चलाने के लिए फंड ही नहीं था। ऐसा उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज लेने की शर्तों को पूरा करने के लिए किया। वहां से ऐसी खबरें भी आती रहती है कि पाकिस्तान में खाने-पीने की चीजों की कीमतें आसमान छू रही है।पाकिस्तान कर्ज के भारी बोझ तले दबा हुआ है। लेकिन उसके पास ब्याज देने तक के पैसे नहीं हैं। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक, उस पर वित्त वर्ष 2025 के लिए 26।2 अरब डॉलर का कर्ज है। आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक उसकी 40।5 प्रतिशत से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा से नीचे है। साल 2022 में आर्थित जटिलता सूचकांक में वह 85वें नंबर पर था। पाकिस्तान के पास पहले ही पैसा नहीं है अब उसे अगले 12 महीनों में 30।35 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज चुकाना है। इनमें कई अहम लोन भी शामिल हैं। यह बात केंद्रीय बैंक ने कही है। पैसा तो है ही नहीं ऐसे में ये कर्ज चुकाना पाकिस्तान के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा।कर्ज में दबे पाकिस्तान के तेवर अब ढीले पड़ने लगे है, शायद इसी वजह से वह रिश्ते सुधारने की वकालत कर रहा है।

अब अगर किसी भी देश से फिर रिश्ते साधने होते हैं तो उस मुल्क के साथ व्यापारिक रिश्ते भी आगे बढ़ाने पड़ते है। यही पर पाकिस्तान के साथ भारत की बात बिगड़ जाती है क्योंकि पिछले पांच सालों से भारत और पाकिस्तान के बीच में व्यापार पूरी तरह ठप चल रहा है। जब भारत ने जम्मू-कश्मीर से धारा अनुच्छेद हटाने का फैसला किया था, पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई में सारे व्यापारिक रिश्ते खत्म कर लिए थे। यह अलग बात है कि उससे पहले ही भारत ने पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन का टैग उससे वापस ले लिया था, इसके ऊपर पाकिस्तान के इंपोर्ट पर भारत ने ही 200 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ा डाला था, ऐसे में व्यापार तो पहले ही काफी ठंडा हो चुका था।

वैसे एक जमाने में जरूर पाकिस्तान, भारत से कपास, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक, न्यूक्लियर रिएक्टर, बॉयलर्स, मशीनरी जैसे उत्पाद लेता था। वही भारत को भी पाकिस्तान से फल,सूखे मेवे, नमक, सल्फर, पत्थर मिला करते थे। लेकिन बढ़ते आतंकी हमलों की वजह से भारत ने पाकिस्तान से यह सब लेना बंद कर दिया। यह अलग बात है कि पाकिस्तान को कई जरूरी दवाइयां भारत आज भी देने का काम करता है। लेकिन अगर पीएम मोदी अब नई पहल करते हुए पाकिस्तान जाते हैं, तो वहां पर दोनों देशों के व्यापारिक देशों को लेकर फिर मंथन किया जा सकता है। अगर वे नहीं जाते तो उस स्थिति में यथास्थिति बरकरार रहने की संभावना है।

एक खास बाद यह भी है कि पिछले दस सालों में मोदी सरकार के पास पूर्ण बहुमत था, ऐसे में पाकिस्तान और चीन को लेकर क्या स्टैंड रहना है, इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं। जीरो टॉलरेंस ऑन टेररिज्म के जरिए ही कई मौकों पर पाकिस्तान को आईना दिखाने का काम हुआ। तो वही दूसरी तरफ चीन को कई मौकों पर LAC पर दमखम दिखाया गया। अगर पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के जरिए इरादे बता दिए गए थे तो चीन को भी गलवान में अपनी ताकत का अहसास करवाया गया। लेकिन अब जब बीजेपी के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है और जेडीयू और टीडीपी जैसी पार्टियों का सहयोग उसे चाहिए। अभी तक मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान और चीन बैशिंग उसकी हिंदुत्व वाली राजनीति के लिए भी जरूरी था। लेकिन बदली ही स्थिति में जब जेडीयू और टीडीपी को साथ रखना है, उस एजेंडे पर आगे बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।असल में जेडीयू और टीडीपी पारंपरिक रूप से खुद को सेकुलर पार्टियां मानती हैं और बीजेपी की हिंदुत्व राजनीति से दोनों ही कई मौकों पर असहज रही हैं। ऐसे में पाकिस्तान और चीन को लेकर अगर कोई भी फैसला लेना होगा, इन दोनों दलों को साथ लेकर चलना जरूरी हो जाता है।

सनातनी विचारधारा और आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति का संतुलन

संजीव ठाकुर

वर्तमान समय में वैश्विक प्रगति और आर्थिक स्त्रोत तंत्र के लिए आधुनिक तथा वैज्ञानिक शिक्षा जरूर अत्यंत आवश्यक है परंतु हमें केवल आधुनिक विचारधारा शिक्षा पद्धति पर निर्भर न रहकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और सनातन संस्कृति के धरातल से जुड़ा रहना होगा तब जाकर ही सनातनी संस्कृत विचारधारा एवं आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति की स्वीकार्यता का संतुलन समुचित एवं यथोचित तरीके से हो पाएगा । भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों, शास्त्रों ,पुराणों और सनातन संस्कृति एवं संस्कार में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि ईस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण निरूपित कर वृहद वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए।

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊजार्वान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। देश में अनेक साधु संत ज्ञानी जिनमें मोहम्मद मूसा कबीर, रैदास, नामदेव, तुकाराम चैतन्य, तुलसीदास शंकरदेव जैसे महापुरुषों ने देश के सांस्कृतिक आध्यात्मिक विकास मैं अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। भारत में स्वाधीनता के बाद विकास के प्रगति के पथ पर वैज्ञानिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया और पृथ्वी से लेकर नभ तक हर क्षेत्र में मानव की अतीव उत्कंठा ,जीजिविषा के कारण हमने चांद पर भी अपने वायुयान भेजें हैं। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है। यह कहावत आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और आकाश का कोई अंत नहीं यानी मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है मनुष्य पर सही प्रतीत होती है।इसी तरह प्रगति और विकास का भी कोई अंत या अनंत नहीं है। भारत देश में वैश्विक स्तर पर राजनैतिक सामाजिक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर काफी प्रगति की एवं विश्व में योग अध्यात्म दर्शन का लोहा भी मनवाया है। मनुष्य की अभिलाषा का कोई निश्चित लक्ष्य नहीं है, मनुष्य मूल रूप से अत्यंत महत्वकांक्षी,लोलुप एवं इच्छाओं का दास हुआ करता है, ऐसे में पूर्व में किए गए कार्यों को निरंतर सुधार कर उसे नए रूप में प्राप्त करना मनुष्य की अभिलाषा हो सकती है,पर इसके लिए अथक मेहनत संघर्ष आत्मविश्वास एवं संयम की आवश्यकता होगी तभी जाकर हम अपने नए-नए लक्ष्यों को विकास तथा प्रगति के पैमाने पर टटोलकर आगे बढ़ा सकते हैं। पर लक्ष्य की प्राप्ति के साधन जरूर सच्चे ,पवित्र और मानव कल्याण की ओर अग्रेषित होने चाहिए, तब ही विकास प्रगति चाहे वह आध्यात्मिक, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक अथवा वैज्ञानिक क्यों न हो सफल हो सकती है।

आखिर क्यों झुकता दिख रहा चीन

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई। गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया।

गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है। लेकिन भारत ने इसकी लगातार उपेक्षा की। भारत ने एक और कड़ा कदम उठाया। चीन के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर दिए। चीनी नागरिकों के लिए सख्त वीजा नियम होने की वजह से चीन के विशेष इंजीनियरों और तकनीशियनों की भारत में आवाजाही पर एक तरह से पाबंदी ही लग गई। इसकी वजह से चीनी आर्थिक गतिविधियों में कमी आई। इसके साथ ही भारत ने चीनी कंपनियों के निवेश पर भी कठोर नियम लागू कर दिए। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत सरकार ने पड़ोसी देशों की कंपनियों के भारतीय निवेश की जांच प्रक्रिया में पुनरीक्षण और सुरक्षा मंजूरी की एक अतिरिक्त शर्त जोड़ दी। एक तरह से पड़ोसी देशों की कंपनियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए। इसका सबसे ज्यादा असर चीनी कंपनियों पर पड़ा। इसकी वजह से भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले अधिग्रहण और निवेश पर लगाम लग गई। इसकी वजह से गलवान कांड के बाद से ही चीनी कंपनियों द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर के निवेश की प्रक्रिया अटक गई। जिसका सीधा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा और उन्हें आर्थिक दिक्कतें झेलनी पडीं। गलवान कांड के बाद भारत ने जो बड़ा कदम उठाया था, उसकी बड़ी चर्चा हुई थी। चीन की मोबाइल कंपनियों और एप्स की भारत में गलवान कांड के बाद बड़ी पहुंच बन गई थी। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत ने डाटा और गोपनीयता की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए चीन करीब 300 चीनी मोबाइल एप्स पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बाद साल 2023 में मोदी सरकार ने चीन की स्मार्टफोन कंपनी विवो कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने और 13 अरब डॉलर की धनराशि की हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसकी वजह से विवो के भारतीय बाजार पर बड़ा असर पड़ा। इसके साथ ही सरकार ने चीन की दूसरी बड़ी मोबाइल उत्पादक कंपनी शाओमी के खिलाफ कार्रवाई की। शाओमी पर आरोप लगा कि उसने विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून का उल्लंघन किया है। जांच में यह सही पाया गया और सरकार ने कार्रवाई करते हुए उसकी भारत स्थित करीब 60 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्तियों को जब्त कर लिया। इससे चीन के मोबाइल कारोबार को भारत में बड़ा झटका लगा। वैसे चीन को यहां तक लाने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत की बड़ी भूमिका रही है। चीनी विदेश मंत्री चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, वांग यी का मानना है कि संघर्षशील दुनिया के बीच दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को अपनी स्वतंत्रता पर मजबूती से खड़ा रहना, लेकिन दोनों के बीच एकता और सहयोग भी होना चाहिए। वांग यी ने ही चीन को यह सुझाव दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। माना जा रहा है कि भारत और चीन के बीच करीब तीन चौथाई समस्याओं को खत्म कराने में रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन का भी योगदान है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस, चीन के काफी करीब आया है। हालांकि उसने एक बात जरूर की है कि उसने भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास के मद्देनजर कभी-भी चीन का साथ नहीं दिया, बल्कि भारत से अपनी पुरानी दोस्ती को बनाए रखा। -उमेश चतुर्वेदी

विधानसभा आम चुनाव-2024 छह प्रत्याशियों ने किया नामांकन पत्र दाखिल

पालघर(उत्तरशक्ति)। विधानसभा आम चुनाव - 2024 के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के चौथे दिन 128 दहानू (अ.ज.) विधानसभा क्षेत्र से मीना किशोर भड (बहुजन मुक्ति पार्टी) ने ए बी फार्म नहीं जमा किया है, 130 पालघर (अ.ज.) विधानसभा क्षेत्र से मनोहर सोनू दांडेकर (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), 131 बोईसर (अ.ज.) विधानसभा क्षेत्र से नरेश प्रकाश धोडी (निर्दलीय) और पुष्पा प्रकाश धोडी (निर्दलीय), 132 नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र में राजन बालकृष्ण नाईक (भारतीय जनता पार्टी) ने तीन नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके अलावा 133 वसई विधानसभा क्षेत्र से राजेंद्र अजीत ढगे (निर्दलीय) ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। उक्त आशय की जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी गोविंद बोडके द्वारा दी गई है।

मध्य रेलवे के कामकाज पर सांसद ने नाराजगी जताई

मुंबई। मध्य रेलवे की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है बल्कि मध्य रेलवे की कई रेल गाड़ियों की लेटलतीफी के कारण कर्मचारी, छात्र-छात्राएं परेशान हैं.। उत्तर पूर्व मुंबई सांसद संजय दीना पाटिल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और विभागीय महाप्रबंधक को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि भांडुप, विक्रोली में 15 डिब्बों वाली ट्रेनों और कोकण के लिए एक्सप्रेस ट्रेनों को भांडुप रेलवे स्टेशन पर रोका जाए। बता दें कि रेलवे से प्रतिदिन लगभग 40 लाख यात्री यात्रा करते हैं। किंतु विगत एक साल से ट्रेनें काफी लेट लतीफ चल रही हैं। जिसके कारण कर्मचारियों, छात्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर सांसद संजय दीना पाटिल ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखकर भांडुप स्टेशन पर 15 डिब्बों की लोकल ट्रेन रोकी जाय। इसके अलावा प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाई जाए, एक्सेलेरेटर सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। कई सीसीटीवी बंद हैं और उन्हें चालू किया जाना चाहिए। सभी रेलवे स्टेशनों को साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए, पीने के पानी की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए और प्रत्येक प्लेटफॉर्म के दोनों ओर शौचालय होने चाहिए इसके अलावा कामकाज के दौरान ट्रेन से गिरने से होने वाली मौतों और घायलों की संख्या बढ़ रही है और इसे कम करने के लिए तत्काल उपाय किए जाने चाहिए।, रेलवे के महाप्रबंधक को भी संजय दीना पाटिल ने पत्र दिया था।. इस पत्र के जरिए उन्होंने रेलवे की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की थी। इसे संज्ञान में लेते हुए मुंबई रेलवे विकास निगम के माध्यम से मध्य रेलवे के घाटकोपर, भांडुप, मुलुंड रेलवे स्टेशनों पर काम शुरू कर दिया गया है।

बीएफएसआई क्षेत्र में नियुक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि: टीमलीज सर्विसेज

मुंबई। फेस्टिव सीजन की शुरूआत के साथ ही भारत में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में बढ़ी हुई ग्राहक गतिविधि और लेन-देन को प्रबंधित करने के लिए कमर कस रहा है। इसे प्रबंधित करने के लिए वित्तीय संस्थान व्यस्त अवधि में बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने और डिजिटल बैंकिंग ऑपरेशंस को बढ़ाने में सक्षम स्किल वर्कफोर्स बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक प्रमुख स्टाफिंग समूह टीमलीज सर्विसेज के अनुसार, बीएफएसआई क्षेत्र में नौकरी के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, विशेष रूप से रिटेल लेंडिंग, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) और भुगतान सेवाओं में।

फेडएक्स ने डिजिथॉन 2024 का आयोजन किया

मुंबई। फेडएक्स कॉर्प की सहायक कंपनी और दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट कंपनियों में से एक फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन ने हाल ही में एक इनोवेशन प्रतियोगिता डिजिथॉन 2024 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अधिक लचीली सप्लाई चेन बनाने के लिए क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग और स्मार्ट टेक सॉल्युशंस का उपयोग करने के लिए फेडएक्स की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारत में क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित डिजिथॉन 2024 ने फेडएक्स टीम के सदस्यों को फेडएक्स लीडरशिप की ओर से प्रस्तुत वास्तविक दुनिया में सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए आमंत्रित किया। इसमें उन बातों का जिक्र था जो ग्राहकों के लिए परेशान करने वाली है, उनकी पहचान और पूवार्नुमान करने और सेवा अनुरोधों को ऑटोमेट करने के लिए एडवांस सेंटिमेंट और टॉपिक मॉडलिंग टेक्निक, शिपमेंट आवंटन को ऑप्टिमाइज करने के लिए सीखने की प्रणाली को मजबूत करने के लिए साधन विकसित करने, और प्रेडिक्टिव मॉडल्स व सप्लाई चेन की क्षमता को बढ़ाने के लिए डिजिटल ट्विन सिस्टम को विकसित करना शामिल था। एमईआईएसए के मार्केटिंग और एयर नेटवर्क के वाइस प्रेसिडेंट नितिन नवनीत टाटीवाला ने कहा, ₹फेडएक्स में सभी के लिए सप्लाई चेन को स्मार्ट बनाने के हमारे मिशन में इनोवेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डिजिथॉन 2024 जैसी पहल क्रॉस-फंक्शनल कोलेबोरेशन को प्रोत्साहित करती है। टीम के सदस्यों को ऐसे बदलावकारी विचारों का प्रस्ताव देने के लिए सशक्त बनाती है जो ग्राहकों के अनुभव और ऑपरेशन की प्रभावशीलता को बढ़ाते हैं, और लॉजिस्टिक्स के भविष्य को आकार देते हैं। अगस्त में शुरू होकर अक्टूबर 2024 में समाप्त हुआ डिजिथॉन कई चरणों से गुजरा, जिसमें मेंटरशिप सेशन और प्रोटोटाइप डेवलपमेंट शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे और मद्रास में फेडएक्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के आईआईटी प्रोफेसरों ने विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे टीमों को एडवांस तकनीकों और कार्यप्रणाली की जानकारी मिली। इसके अतिरिक्त, पीएचडी और एमटेक स्कॉलर्स चयनित प्रॉब्लम स्टेटमेंट से जुड़ना जारी रखेंगे, जिससे शिक्षा जगत और फेडएक्स लीडरशिप के बीच चल रहे सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। डिजिथॉन 2024 में सामने आए सॉल्युशन और आइडिया वर्तमान में भारत में फेडएक्स के ऑपरेशन में स्कैलिंग और संभावित क्रियान्वयन के लिए मूल्यांकन से गुजर रहे हैं।

सैमसंग ने भारत में सैमसंग हैल्थ के लिए नया मेडिकेशंस ट्रैकिंग फीचर लॉन्च किया

मुंबई/पटना। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने सैमसंग हेल्थ ऐप2 में मेडिकेशंस ट्रैकिंग फीचर1 को जोड़ा है। इससे यूजर्स को उनके स्वास्थ्य को ज्यादा बेहतर ढंग से मैनेज करने में मदद मिलेगी। यह फीचर न केवल यूजर्स को उनकी निर्धारित या ओवर-द-काउंटर दवाओं पर नजर रखने में मदद करेगा, बल्कि महत्वपूर्ण चिकित्सा जानकारी और टिप्स भी मुहैया कराएगा। यह फीचर उन लोगों के लिए समय पर दवा लेने की निरंतरता पर निगरानी रखने में मदद कर सकता है, जो हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पीसीओएस, पीसीओडी और अन्य पुरानी बीमारियों की वजह से लंबे समय से दवा ले रहे हैं और जिन्हें समय पर दवा लेने की आवश्यकता होती है। सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यूंगयून रू ने कहा, सैमसंग एक ऐसा ब्रांड है जो अपने ग्राहकों को सबसे अधिक महत्व देता है और उनकी रोजाना की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए लगातार उत्पादों और सेवाओं पर काम करता है।

सीटों के बंटवारे के बाद ही एमवीए का सीएम चेहरा तय किया जाएगा: आदित्य ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने आज यहां कहा कि सीटों के बंटवारे के बाद ही महा विकास अघाड़ी का मुख्यमंत्री चेहरा तय किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस बार का विधानसभा चुनाव अडानीकरण का समर्थन करने वालों और न करने वालों के बीच की लड़ाई है।

यह पूछे जाने पर कि महा विकास अघाड़ी ने अभी तक अपने मुख्यमंत्री चेहरे के बारे में फैसला क्यों नहीं किया है, आदित्य ठाकरे ने जवाब दिया: मुझे लगता है, हमें पहले सीटों को लेकर सभी गड़बड़ दूर कर लेनी चाहिए। हमने अपनी ओर से तय किया है कि जो व्यक्ति महाराष्ट्र के हितों की बात करेगा, वही सीएम होगा। लेकिन एक बात, ज्यादातर सर्वे और ट्रैकर्स, राज्य के लोग अभी भी उद्धव जी के शासन को याद करते हैं। खासकर कोविड महामारी के दौरान जिस तरह से उन्होंने राज्य में उद्योग लाने की कोशिश की, किसानों, महिलाओं, युवाओं, गरीबों और उद्योगपतियों ने उन पर भरोसा किया। उन्हें लगा जैसे उद्धव बालासाहेब ठाकरे उनके परिवार का हिस्सा हैं। वह स्नेह बना हुआ है और आज भी दिखता है। तो जवाब साफ है।आदित्य ठाकरे महाराष्ट्र चुनाव पर इंडिया टीवी के दिन भर चलने वाले चुनाव मंच सम्मेलन में सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, सीटों का बंटवारा एक ऐसा मामला है जहाँ खींचातानी होती है। हमारी पार्टी ने कल पहली लिस्ट जारी की, हमें उम्मीद है कि कांग्रेस और एनसीपी (एस) दोनों भी अपनी लिस्ट जारी करेंगे ताकि उम्मीदवार जल्द ही नामांकन दाखिल कर सकें।यह पूछे जाने पर कि क्या सहयोगियों के बीच कोई ह्यबड़े भाई वाला रवैया है, ठाकरे ने जवाब दिया: मैं बहुत छोटा हूं। मैं उस स्तर पर नहीं हूं। बड़ा भाई, छोटा भाई का कोई सवाल ही नहीं है। हमारा एकमात्र उद्देश्य अधिकतम सीटें जीतना है ताकि हम सरकार बना सकें। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आरोप लगाया कि अगर अडानी समूह द्वारा धारावी परियोजना को लागू किया जाता है तो एशिया के सबसे बड़े स्लम क्षेत्र धारावी में 1.5 लाख परिवार, लगभग 4 लाख से ज्यादा लोग बेघर हो जाएंगे।धारावी परियोजना, जिसकी राजस्व क्षमता 20,000 करोड़ रुपये है, का उद्देश्य बीकेसी व्यापारिक जिले के पास मुंबई में विशाल स्लम क्षेत्र का पुनर्निर्माण करना है, और डीएलएफ एवं अन्य डेवलपर्स जैसे रियल्टी दिग्गजों की प्रतिस्पर्धी बोली के बाद नवंबर, 2022 में अडानी प्रॉपर्टीज को टेंडर दिया जा चुका है। परियोजना के तहत, जो लोग 2000 से पहले धारावी में रहते थे, उन्हें मुफ्त घर मिलेंगे, और लगभग सात लाख लोगों को आवास प्रदान किया जाएगा।

यह पूछे जाने पर कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो इस प्रोजेक्ट के बारे में क्या करेगी, आदित्य ठाकरे ने जवाब दिया: हम अडानी समूह से पूछेंगे कि क्या वे टेंडर की शर्तों का पालन करेंगे। हम अतिरिक्त प्रीमियम और बीएमसी प्रीमियम की छूट को हटा देंगे जो अभी दी गई है। हम मुंबई के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए ही आगे बढ़ेंगे। हम टेंडर के दायरे से बाहर अडानी समूह को दी गई छूट का विरोध करते हैं। अडानी जी से हमारी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, न ही यह कोई व्यक्तिगत मुद्दा है।

चुनावी बिगुल के साथ ही देवेंद्र फडणवीस ने किया नामांकन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में चुनावी बिगुल बज चुका है। जनता के मन की महायुति सरकार का आना तय है।

इसी क्रम में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपना नामांकन भरा। नामांकन के उपरांत मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष एवं श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने नागपुर स्थित उनके आवास पर जाकर भगवान श्री सिद्धिविनायक जी की तरफ से शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले एवं वाराणसी से विधायक अवधेश सिंह उपस्थित थे। आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि महाराष्ट्र के लोक कल्याण हेतु देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महायुति की सरकार बनाने हेतु जनता संकल्प बद्ध है।

स्व.दाकुबाई सोलंकी की स्मृति में बोईसर में शोकसभा आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बोईसर शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी, बोल्डर्स एंड डेवलपर्स रूपरजत ग्रुप और विश्व हिंदू परिषद के पालघर जिला अध्यक्ष महावीर जैन सोलंकी की बैकुंठवासी माता श्री दाकूबाई स्व. नानालाल सोलंकी की स्मृति शेष के उपलक्ष में प्रार्थना एवं शोकसभा का संयुक्त आयोजन गुरुवार 24 अक्टूबर 2024 को सुबह 9:00 बजे से 11:00 तक पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत यशवंत सृष्टि के ठीक सामने जैन उपाश्रय में किया गया। स्मृति शेष की प्रार्थना एवं शोकसभा की संयुक्त बैठक में शोकाकुल परिजन जमाई, मायका पक्ष के सभी जनों के अलावे बड़ी संख्या में सामाजिक, धार्मिक एवं बोईसरकर उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की चिरशांति एवं मोक्ष प्राप्ति हेतु ईश्वर से 2 मिनट मौन रखकर प्रार्थना की। बतादें कि धर्मपरायण स्वर्गीय दाकूबाई नाना सोलंकी का दुःखद निधन विगत 16 अक्टूबर 2024 को उनके निजी निवास रूप सोलंकी पैलेस रूपरजत नगर सिडको के सामने बोईसर (प.) में हो गया था। स्वर्गीय दाकूबाई की स्मृति में शोकाकुल परिवार की ओर से गौ सेवा के लिए बड़ी रकम का

दान किया गया। इस प्रार्थना एवं शोकसभा के संयुक्त बैठक में पधारी जैन समाज की धर्मसेविका साध्वी जयप्रज्ञा ने आत्मा और परमात्मा के मधुर संबंध और गीता की धार्मिक पदचिन्हों वाले ज्ञान का बोध कराते सभी से सतमार्ग पर चलने और जीवन के मोहपाश से मुक्ति के सरल मार्ग का ज्ञान कराया। नवकार जपनाम के साथ प्रार्थना व शोकसभा का समापन किया गया।

रामायण में बताए आर्दशों को जीवन में उतारें : लल्लन तिवारी

राहुल इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने प्रस्तुत की रामलीला

भायंदर(उत्तरशक्ति)। रामायण हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। रामायण में बताए गए आदर्शों और गुणों को अपनाकर हम मयार्दा और अनुशासन वाला जीवन जी सकते हैं। राहुल इंटरनेशनल स्कूल, मीरा रोड के प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों द्वारा रामलीला की, की गई आकर्षक प्रस्तुति के बाद संबोधित करते हुए राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि रामायण से हमें खुद को बेहतर बनाने की प्रेरणा मिलती है। रामलीला की सुंदर प्रस्तुति के लिए उन्होंने बच्चों के साथ-साथ स्कूल के प्रिंसिपल और उन्हें तैयार करने वाले शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई दी। दीपावली को ध्यान में रखते हुए बच्चों द्वारा जरूरतमंद लोगों लोगों को मुफ्त वितरित करने के लिए जुटाए गए खाद्य पदार्थों और अन्य जीवनोपयोगी वस्तुओं की भी उन्होंने सराहना की।

इस अवसर पर राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, समाजसेवी संदीप सिंह फौजी, एचआर आरती पांडे, प्रशासनिक प्रबंधक संतोष आर शर्मा, गणेश पाटिल , राहुल इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल ईगल बैंकर, वायस प्रिंसिपल जॉइस ब्रिटो तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

यूपी के नेताओं ने मुंबई में जमाया डेरा

देवरिया विधायक त्रिपाठी रूबरू हो रहे उत्तर भारतीयों से

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र का चुनावी बिगुल बज चुका है और नामांकन प्रक्रिया है। इसी दौरान यूपी के सांसद ,विधायक और नेताओं ने देश की आर्थिक नगरी में डेरा डाला हुआ है। ये नेता उत्तर भारतीयों को अपनी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने की अपील कर रहे हैं। इन्हीं यूपी नेताओं में देवरिया के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी का नाम शामिल है। वैसे इनकी गणना यूपी के दिग्गज नेताओं में होती है। भाजपा विधायक त्रिपाठी मुलुंड विधान सभा भाजपा के प्रभारी बनकर आए हैं और भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील उत्तर भारतीयों से कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुलुंड विधान सभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मिहिर कोटेचा ने नामांकन दाखिल किया।हालांकि इन्हें दोबारा भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। भाजपा विधायक कोटेचा लोकसभा के प्रत्याशी थे, लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। मिहिर कोटेचा के नामांकन के दौरान यूपी से आए भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, पूर्व सांसद किरीट सोमैया, मनोज कोटक, शिवसेना के जगदीश शेट्टी, भाजपा के संजय शर्मा, राकांपा अजीत पवार गट के मुलुंड तालुका अध्यक्ष कन्हैया लाल गुप्ता,मनीष तिवारी,राम प्रवेश गुप्ता, प्रदीप झा, विनोद दुबे ,राजेश डी गुप्ता के अलावा काफी संख्या में महायुति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। विधायक शलभ मणि त्रिपाठी का जगह जगह सम्मान किया जा रहा है और वे मुंबई में रह रहे उत्तर भारतीयों की समस्याओं से भी रूबरू हो रहे हैं।उन्होंने भाजपा प्रत्याशी मिहिर कोटेचा को जिताने की अपील की है।

व्यवहार प्रबंधन प्रणाली वोटिंग कार्यक्रम मैजिक बस द्वारा आयोजित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महात्मा फुले एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी विद्यालय के प्रांगण में बीएमएस यानी व्यवहार प्रबंधन प्रणाली वोटिंग कार्यक्रम मैजिक बस द्वारा आयोजित किया गया था। इन कार्यक्रमों में कुल 60 उम्मीदवार खड़े हुए थे। जिसमें से विद्यार्थियों के वोटिंग से केवल 20 उम्मीदवार विजयी हुए। जिसमें शिक्षा मंत्री, स्वच्छता मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, बाल संरक्षण मंत्री, अनुशासन मंत्री शामिल थे। यह मतदान कार्यक्रम अंग्रेजी माध्यम के कक्षा छह से नौ तक के विद्यार्थियों के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंग्लिश मीडियम की प्रधानाध्यापिका श्रीमती स्वाति होल्मुखे, शिक्षक बालगोविंद तिवारी, शिक्षिका सुषमा सिंह एवं मैजिक बस के कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश पटेल एवं मैजिक बस के समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम का बखूबी संचालन किया।

स्कूल द्वारा सभी विजयी उम्मीद्वारों को मंत्री पद का शपथ दिलाया गया और श्रीमती स्वाति होल्मुखे मैडम ने उन्हें मंत्री पद का बैच देकर सम्मानित किया।

नरेश मणेरा ने भरा अपना नामांकन

ठाणे। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के ओवला माजिवडा विधानसभा सीट के प्रत्याशी नरेश मणेरा ने शुक्रवार को भव्य शक्ति प्रदर्शन के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. उक्त अवसर पर पूर्व सांसद राजन विचारे, राष्ट्रवादी कांग्रेस शरदचंद्र पवार पार्टी के ठाणे शहर अध्यक्ष सुहास देसाई, शिवसेना यूबीटी के ठाणे शहर अध्यक्ष केदार दिघे, मीरा भयंदर जिला अध्यक्ष प्रभाकर म्हात्रे उपस्थित थे.

नरेश मणेरा ने धर्मवीर आनंद दिघे के शक्तिस्थल पर जाकर नमन करते हुए उन्हें याद किया. जबकि दूसरे तरफ बड़ी संख्या में महाविकास आघाडी के पुरुष और महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शास्त्री नगर दोधा इंदीसे चौक में एकत्रित हुए. ढोल ताशो की गर्जना और पटाखो की गूंज के बीच भव्य शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपने प्रत्याशी नरेश मणेराके संग पैदल चलकर नामांकन पर्चा भरने के लिए नामांकन केंद्र पहुंचे. उक्त अवसर पर पूर्व नगरसेविका नंदिनी विचारे, भास्कर बेरीशेट्टी, पूर्व नगरसेवक संजय तरे आदि उपस्थित थे.

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट व्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। **RNI NO. MAHHIN/2018/76092** ***संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति,** इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,**

बैंक एटीएम से कर्मचारियों ने पार कर दिए 13.61 लाख, केस दर्ज

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक के एटीएम में कैश लोडिंग का काम करने वाले कर्मचारियों ने 13 लाख 61 हजार रुपए पार कर दिए। एटीएम में नकदी आपूर्ति का काम देखने वाली हिटाची कैश मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लि. के बनारस के शाखा प्रमुख ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में हिटाची कैश मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लि. के बनारस शाखा प्रमुख पवन अजमानी ने बताया कि उनकी कंपनी बैंकों के एटीएम में कैश आपूर्ति का काम करती है।शाहगंज में आजमगढ़ रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम में नकदी की आपूर्ति का जिम्मा उनके पास है। यहां शुभम सिंह और आकाश दुबे नाम के कंपनी के दो कर्मचारी नकदी लोडिंग का काम देखते थे। पवन अजमानी के मुताबिक 10 अक्टूबर को उक्त एटीएम में 9 लाख रुपए की नकद आपूर्ति की गई थी। 11 अक्टूबर को सूचना मिली कि एटीएम से पैसे नहीं निकल रहे हैं। आरोप है कि 12 अक्टूबर को शशांक सिंह नाम के शख्स ने उक्त एटीएम का वाल्ट खोला और 13 लाख 61 हजार रुपए चुराकर फरार हो गया। वाल्ट खोलने का पासवर्ड आकाश दुबे ने उससे साझा किया।पवन अजमानी के मुताबिक शुभम सिंह नामक कर्मचारी उक्त कांड में शामिल नहीं है क्योंकि उसकी जनवरी माह में ही मृत्यु हो चुकी है।

कंपनी को इस बात की जानकारी चोरी की इस घटना के बाद हुई। यह भी पता चला कि शशांक सिंह मृतक शुभम सिंह के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। मामले में कोतवाली प्रभारी रोहित मिश्रा ने बताया कि आरोपी शशांक सिंह एवं अन्य के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध कब्जे का प्रयास, एसडीएम ने गिराई बाउंड्रीवॉल

नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह मोहल्ले में अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आया

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह मोहल्ले में अवैध कब्जे का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आया है। स्थानीय होटल संचालक द्वारा एसटीपी

स्थानीय होटल संचालक द्वारा एसटीपी परियोजना की जमीन पर लगातार कब्जा करने का किया जा रहा था प्रयास

परियोजना की जमीन पर लगातार कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। हाल ही में सीओ सिटी और सिटी मजिस्ट्रेट ने होटल संचालक को चेतावनी देकर वहां से हट जाने के लिए कहा था। उन्हें यह निर्देश दिया गया था कि वह अपनी निजी जमीन पर ही निर्माण कार्य करें और सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण न करें।मौके पर एसडीएम पवन कुमार ने हस्तक्षेप किया। गुरुवार को जब होटल संचालक ने फिर से सरकारी जमीन पर बाउंड्री वॉल खड़ा करने का प्रयास किया।तो मौके पर एसडीएम पवन कुमार ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने तुरंत काम को रुकवाते हुए बाउंड्री वॉल को गिरा दिया। एसडीएम पवन कुमार ने बताया

कि यह भूमि एसटीपी परियोजना की है।और इसके अंदर नाला बह रहा है। उन्होंने बताया कि इस तरह के कब्जे का प्रयास पहले भी किया गया था।जिसके खिलाफ सीओ सिटी ने एफआईआर भी दर्ज कराई थी। होगी सख्त कार्रवाई पवन कुमार ने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम सरकारी भूमि की रक्षा करें। होटल संचालक बार-बार नाला पाटने और अवैध कब्जे के प्रयास कर रहा था। आज जानकारी मिलने पर मैंने तुरंत कार्रवाई की। उन्हें अपनी निजी जमीन पर निर्माण करने के लिए कहा गया है। अगर सरकारी भूमि पर कब्जा किया गया।तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, होटल संचालक का दावा है कि वह अपने व्यक्तिगत भूखंड पर निर्माण कार्य कर रहा था और प्रशासन ने बिना किसी नोटिस के उसके निर्माण कार्य को रोक दिया। उसने कहा कि आधी बनी दीवार को गिराना अनुचित है और उसने आरोप लगाया कि प्रशासन जबरन उसके निर्माण कार्य में बाधा डाल रहा है।

लायंस क्लब रॉयल द्वारा 'पीस पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन

अभिताश गुप्ता संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। लायंस इंटरनेशनल की स्थानीय शाखा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने शुक्रवार, 25 अक्टूबर को नगर के प्रतिष्ठित बी. आर. पी. इंटर कॉलेज में 'पीस पोस्टर प्रतियोगिता' का सफल आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में आठ से बारह वर्ष की आयु के कुल 36 बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। बच्चों ने 'पीस विदाउट लिमिट्स' (अंतहीन शांति) विषय पर अपने विचारों को अनोखे और रचनात्मक पोस्टर्स के माध्यम से प्रस्तुत किया। जिनमें उनकी सोच और शांति की ओर उनके दृष्टिकोण की झलक देखने को मिली। लायंस क्लब रॉयल के अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने इस अवसर पर बच्चों और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, लायंस इंटरनेशनल का उद्देश्य इस प्रतियोगिता के माध्यम से विश्व भर के देशों में शांति और सौहार्द का संदेश फैलाना है। आज के युग में जहां तनाव और हिंसा का बोलबाला है। ऐसे में शांति की इस अनमोल भावना को फैलाना बेहद

बच्चों ने दिया शांति का विशेष संदेश

महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने बच्चों के उत्साह और उनकी कल्पनाशीलता की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों को समाज में शांति और एकता का संदेश देने की प्रेरणा देती हैं। कार्यक्रम के संयोजक ऋषि श्रीवास्तव ने बच्चों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने विचारों को बेहतरीन ढंग से पोस्टर्स में उकेरा है। बच्चों के द्वारा बनाए गए पोस्टर्स में उनकी सृजनशीलता और असीम शांति के प्रति उनकी सोच स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रतियोगिता के अंत में सभी बच्चों को उनके प्रयासों के लिए प्रमाणपत्र

प्रदान किए गए। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ तीन पोस्टर्स को विशेष अवार्ड देकर सम्मानित किया गया और उनकी कृतियों को लायंस इंटरनेशनल को भेजने की घोषणा की गई। लायंस इंटरनेशनल द्वारा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर को 100 डॉलर का पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, ᳚विश्व में शांति, प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाने का यह प्रयास न केवल सराहनीय है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है। लायंस क्लब रॉयल का यह प्रयास बच्चों में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने और उनकी सृजनात्मकता को निखारने का एक उत्तम उदाहरण है उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों का समर्थन करते रहने का आश्वासन दिया। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बच्चों को उनकी कलाकृतियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर क्लब के प्रमुख सदस्य संजीव साहू, अभिताष गुप्ता, राजेश किशोर श्रीवास्तव, विनीत गुप्ता, राजेंद्र स्वर्णकार और बालकृष्ण साहू ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से बच्चों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष अभिताष गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए इस सफल आयोजन में योगदान देने के लिए शिक्षक शुभम-तिवारी, विनीत यादव, प्रकाश यादव सहित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

युवक ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

प्रियेश गुप्ता रुद्र संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहू कोतवाली क्षेत्र के बेलवा में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह युवक कमरे से नहीं निकला तो परिजनों ने खिड़की से झांककर देखा। युवक की शव लटकता देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।के मड़ियाहू कोतवाली क्षेत्र के बेलवा गांव निवासी शिव आसरे यादव उर्फ बाबा का 22 वर्षीय बेटा उमेश यादव हर दिन की तरह गुरुवार की रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में अकेले सोने चला गया। घर के अन्य लोग टीनशेड में सो गए। शुक्रवार की सुबह लगभग 6:20 बजे जब उमेश कमरे से बाहर नहीं निकला तो उसकी मां ने पहुंचकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।इसके बाद मां ने पिता शिव आसरे से बेटे की कमरे से नहीं निकलने की बात बताई। परिजनों ने जब खिड़की से देखा। तो वह गले में फंदा लाकर कर लटक रहा था। इसके बाद परिजन देख कर बदहवास हो गए।और दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया लेकिन दरवाजा नहीं टूटा और घर पर रोने पीटने जैसा कोहराम मच गया। किसी ने सूचना मड़ियाहूं कोतवाली पुलिस को दी इसके बाद पुलिस फोर्स ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़वाकर मृतक उमेश यादव के शव को नीचे उतारा और आवश्यक लिखा पढ़ी करने के बाद शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में परिजन अभी तक कुछ बताने के लिए तैयार नहीं है।

आईजी ने कोतवाली का किया निरीक्षण, जताई प्रसन्नता

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा संवाददाता

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली का शुक्रवार को वाराणसी मंडल के पुलिस महानिरीक्षक मोहित गुप्ता के द्वारा निरीक्षण किया। कोतवाली पहुंचते ही जौनपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी आयुष श्रीवास्तव तथा प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। जिसके उपरांत पुलिस के जवानों के द्वारा सलामी ली तथा टर्न आउट एवं ड्रिल को भी देखा। आयोजित कार्यक्रम में मौजूद पुलिस, होमगार्ड तथा चौकीदारों का परिचय जानते हुए उनकी तथा क्षेत्र होने वाली समस्याओं की जानकारी लेते हुए दिशा निर्देश दिए और चौकीदारों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रसन्नता जताई। तत्पश्चात मिशन शक्ति फेज पांच के तहत मौजूद एनपीएस पब्लिक स्कूल व माउंट लिटेरा स्कूल की छात्राओं के द्वारा दिए गए भाषण को सुनकर आईजी

ने बेटियों की सराहना करते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत जागरुक करते हुए पुलिस अधिकारियों को उनकी सुरक्षा के निर्देश दिए।

कार्यालय में स्थित विभिन्न प्रकार के अभिलेखों का गहनता पूर्वक अवलोकन किया साथ ही उन्होंने ने कंप्यूटर कक्ष तथा महिला हेल्प डेस्क डायल 112 में कार्यरत पुलिस कर्मियों से जानकारी ली।परिसर में स्थित मेस कक्ष का निरीक्षण कर पुलिस कर्मचारियों को मिलने वाले भोजन तथा उसकी गुणवत्ता के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए। और वहां पर मौजूद व्यापारियों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूछताछ करते हुए दिशा निर्देश दिए। आईजी के निरीक्षण की खबर सुनते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के द्वारा पूरे परिसर को भव्य तरीके से सजवाया गया था।

वही क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने तथा लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक सहित प्रभारी निरीक्षक की सराहना किए।उक्त अवसर पर परिसर में काफी संख्या में पुलिस के अधिकारी तथा कर्मचारी व क्षेत्र के सम्मानित जन मौजूद रहे।

दो दिन से घर के अंदर फांसी पर लटकती मिली लाश, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाने की पुलिस ने दो दिन से घर के अंदर फांसी पर लटके एक व्यक्ति की लाश बरामद किया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि उक्त गांव निवासी सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय फिरतू राम की लाश को कल गुरुवार की शाम कुछ लोगों ने उसी के घर में फांसी पर लटकते हुए देखा।

देखते ही देखते बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुड़ गई। घर के अंदर दरवाजा बंद कर सुनील कुमार ने साड़ी से फांसी लगाकर अपनी जान दे दिया था। घटना की जानकारी पुलिस चौकी चौकिया को दी गई। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गए और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ मुंबई में रह रही है जिसे सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है। फांसी लगाकर आत्महत्या करना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मामले में जितना मुंह उतनी बातें कही जा रही है।

जबरदस्ती करने का विरोध करने पर दबंग ने नाबालिग को मारा चाकू

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। महाराजगंज थाना क्षेत्र के गडेहरिया गांव में शौच के लिए गई किशोरी के साथ जबरदस्ती करने का विरोध उसे महंगा पड़ गया। दुष्कर्म का प्रयास करने पर दबंग ने उसे

पर चाकू के कई वार कर घायल कर दिया। यह घटना गुरुवार शाम लगभग 6:30 बजे की है सोनी 17 वर्ष अपने घर से कुछ दूरी पर शौच के लिए गई हुई थी। उसी गांव का एक दबंग युवक उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। नाबालिग किशोरी के शोर मचाने पर उसकी बहन नीलम और भाई भाग कर पहुंचे की उसी समय दबंग ने चाकू से सोनी के ऊपर वार कर दिया। इतना ही नहीं हमलावर का भाई भी पहुंच गया और नीलम 20 वर्ष और भाई विकास 18 वर्ष को लाठी से पीट कर गंभीर रूप के घायल कर दिया। इस घटना में घायल सोनी गौतम का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है। घटना के कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

जौनपुर में दो समुदायों में जमकर मारपीट

बच्ची को अश्लील वीडियो दिखाने पर विवाद, एसपी ने घायलों से की मुलाकात

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली थाना क्षेत्र के रकवा बेलवा बाजार में गुरुवार देर शाम दो समुदायों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की और उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली।क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं विवेक कुमार सिंह ने बताया कि विवाद का कारण तब उत्पन्न हुआ जब पिंटू चौरसिया ने एक बच्ची को अश्लील वीडियो दिखाया। बच्ची ने यह बात अपने परिजनों को बताई।जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई।अन्य आरोपियों की तलाश जारी।घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने उनसे मुलाकात की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है। इस घटना में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और थाने पर

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब मारपीट करने वाले अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल शांति व्यवस्था कायम है और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

धनतेरस पर्व पर मां अन्नपूर्णा के दरबार में भक्तों को मिलेगा खजाना, 29 से दर्शन

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। वाराणसी में धनतेरस के दिन स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के विग्रह के दर्शन और भक्तों को खजाने के रूप में सिक्कों का वितरण किया जाएगा।हर साल की तरह बाबा विश्वनाथ को अन्न-धन की भिक्षा देने वाली मां अन्नपूर्णा अपने भक्तों पर कृपा बरसाएंगी। मुहूर्त पूजन मंगल बेला में सुबह तीन बजे से पूजन शुरू होगा पौने पांच तक शविधि पूजन होगा आम भक्तों के लिये पांच बजे पट खुलेगा 29 नवंबर धनतेरस के दिन निर्धारित समय से एक घंटे पहले ही मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे और पांच दिनों तक श्रद्धालु माता के स्वर्णमयी विग्रह मां अन्नपूर्णा, मां भूमि देवी, लक्ष्मी और रजत महादेव के दर्शन कर सकेंगे। शुक्रवार को महंत शंकर पुरी ने बांसफाटक स्थित काशी अन्नपूर्णा क्षेत्र के सभागार में प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। महंत ने बताया कि धनतेरस पर इस बार बहुत ही शुभ योग निर्मित हो रहा है। देश में समृद्धि रहेगी और कोष भरा रहेगा। अभिजीत मुहूर्त में भोर में माता का पूजन व आरती के बाद खजाने की पूजा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष में सिर्फ चार दिन भक्तो को दर्शन का अवसर मिलता था।लेकिन ये दूसरे वर्ष भी पांच दिन स्वर्णमयी अन्नपूर्णा का दर्शन श्रद्धालु कर सकेंगे। धनतेरस को खजाना वितरण होगा, 2 नवंबर को

अन्नकूट महोत्सव के दिन लड्डूओ की झांकी सजेगी, वही रात्रि 11.30 बजे माता की महा आरती होगी, इसके पश्चात एक वर्ष के लिए स्वर्णमयी अन्नपूर्णा का कपाट बंद कर दिया जाएगा। भक्तों को बांसफाटक से होते गेट नंबर एक ढुंढिराज से मन्दि पहुंचेंगे, वहां बनी अस्थायी सीढियों से होते हुए स्वर्णमयी माता का दर्शन करके श्रद्धालु कालिका गली से बाह निकलेंगे। प्रबंधक काशी मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा के लिए कैमरों की संख्या बढ़ा दी गई है। कंट्रोल रूम के जरिए निगरानी की जाएगी। जगह-जगह सेवादार तैनात रहेंगे और उन्होंने बताया कि मंदिर आने वाले सभी दर्शनार्थियों को सुगम दर्शन मिले ऐसा होगा इंजाम। मुख्य रूप से प्रदीप श्रीवास्तव, राकेश तोमर, नीलकंठ से आये शिवानंद गिरी समेत मंदिर परिवार रहा।

दिव्यांग जनों की सेवा भगवान की पूजा से बढ़कर: अदिति पटेल

दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क ड्रेस, जूता व बैग वितरण

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। रोहनिया आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के हरसोस स्थित चंद्रावती एजुकेशनल विशेष विद्यालय एवं मानसिक मंदित आश्रय गृह प्रशिक्षण केंद्र पर प्रबंध निदेशक अरविंद सिंह की देखरेख तथा ग्राम प्रधान ओमप्रकाश सिंह पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को दिव्यांग बच्चों हेतु निःशुल्क ड्रेस, बैग वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवापुरी विधायक नील रतन पटेल नीलू के प्रतिनिधि अदिति पटेल तथा प्रभारी समन्वयक रमेश सिंह ने संयुक्त रूप से दिव्यांग बच्चों को स्कूल बैग व ड्रेस वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि इस ड्रेस वितरण क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधियों के सहयोग से दिया जा रहा है जिसमें ग्राम प्रधान खेवसीपुर व पूर्व जिला पंचायत सदस्य संतोष कुमार पटेल द्वारा पैंट शर्ट तथा ओमप्रकाश सिंह पटेल द्वारा जूता मोजा एवं अंकित सिंह द्वारा सभी बच्चों को बैग का सहयोग किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि दिव्यांग जनों की सेवा भगवान की पूजा से बढ़कर है। यह संस्था दिव्यांग बच्चों के लिए सराहनीय कार्य कर रही है जिसके लिए हमारे तरफ से विद्यालय को हर संभव मदद किया जाएगा। अतिथियों का स्वागत प्रबंध निदेशक अरविंद सिंह तथा संचालन गुंजन झा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य जावेद आलम, रामविलास पटेल, ओम प्रकाश पटेल, गौरव श्रीवास्तव एसआई, अमित कुमार, रमेश कुमार, विद्यासागर, प्रदीप उपाध्याय, डॉ सौरभ सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों का लिया गया नमूना

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अवगत कराया है कि आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0, लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन के क्रम में आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के भण्डारण/विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से 25 अक्टूबर 2024 से 02 नवम्बर 2024 तक संचालित विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये जा रहे प्रवर्तन कार्यवाही के क्रम में 25 अक्टूबर 2024 को मछलीशहर बाजार स्थित अलग-अलग खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थ इलायची पेड़ा, बेसन लड्डू एवं खोया का नमूना संग्रहीत किया गया है। शाहगंज तहसील के अन्तर्गत एक खाद्य प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ छेने की मिठाई एवं बेसन के लड्डू का नमूना तथा सदर तहसील के अन्तर्गत नौपेड़वा बाजार स्थित एक खाद्य प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ बर्फी का नमूना संग्रहीत किया गया है। इस प्रकार 25 अक्टूबर 2024 को जनपद जौनपुर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल-06 नमूनें संग्रहीत करते हुए नियमानुसार जांच हेतु खाद्य विश्लेषक को प्रेषित किया गया।

कार्यालय
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
निकट- हुमा मस्जिद वार्ड नम्बर-35, मुफ्ती मोहल्ला
जनपद- जौनपुर (उ0प्र0)- 222001
कार्यालय 9695970605
मुख्यालय 9554493941
E-mail: uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
विज्ञापन, सूचना सम्बन्धित खबरों के लिए सम्पर्क करें।
Website-www.uttarshakti.co.in
YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS
हर खबर निष्पक्षता के साथ

माता काली के मंदिर से लाखों के जेवर, मुखौटे, दानपात्र चोरी

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। वाराणसी फूलपुर थाना के कुआर स्थित माता काली के प्रसिद्ध मंदिर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों की चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर मां की मूर्ति का मुखौटा, त्रिशूल, आभूषण आदि उठा ले गए। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस छानबीन में जुटी है। डीसीपी गोमती जोन प्रमोद कुमार व एसीपी पिंडरा प्रतीक कुमार ने मां काली मंदिर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। गुरुवार की देर रात चोर मंदिर का ताला तोड़कर घुस गए। मंदिर के पुजारी काली प्रसाद के अनुसार मां की मूर्ति से मुखौटा, मुकुट, छत्रप, चांदी का त्रिशूल और सोने में बना छोटा बड़ा नथिया सहित दानपेटी का चढ़ावा चोर उठा ले गए। शुक्रवार की सुबह पुजारी पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा देख अवाक रह गए। अंदर जाकर देखा तो माता के आभूषण और दानपेटी का चढ़ावा गायब थे। उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना के बाद काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। पुजारी से घटना के बाबत जानकारी ली। घटना से आक्रोशित ग्रामीण मौके पर फॉरेंसिक और डाग क्वायड टीम को बुलाने की मांग पर अड़े थे। उनकी मांग रही कि जल्द से जल्द चोरों को पकड़ा जाए। पुलिस उन्हें समझाने में जुटी रही। डीसीपी ने मंदिर में दर्शन पूजन किया। लोगों को आश्वस्त किया गया कि चोर जल्द ही पकड़े जाएंगे और घटना का खुलासा किया जाएगा।

मेडिकल और शिक्षा हेतु सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने किया आर्थिक सहयोग

सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट
E-32288

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत देश मे कई संस्थाएं एवं सरकार आम जनमानस की सेवा में कार्यरत है। मुंबई द्वारा संचालित सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट एक आम जनमानस की संस्था है जो की पिछले 8 वर्षो से लगातार लोगो की सेवा मे कार्यरत है। विशेषकर प्रजापति समुदाय के लिए शिक्षा, चिकत्सा, जरुरतमंद बेटियों की शादियों मे सहयोग इत्यादि करते रहता है। बड़ी बात ये है की इस संस्था मे जुड़े हुए लोग अपने व्यक्तिगत सहयोग से आम जनमानस की जरुरत पड़ने पर सहयोग करते है। बलिया निवासी प्रियंका प्रजापति पुत्री स्वर्गीय महेंद्र नाथ प्रजापति की छोटी बेटी की स्नातक शिक्षा हेतु 10,000 का आर्थिक सहयोग प्रदान किया एवं इसके पहले भी स्वर्गीय महेंद्रनाथ की बड़ी बेटी पूजा की शादी मे भी कुछ आर्थिक सहयोग किया था। चुंकि दोनों बेटियां ही है, मां अकेले घर पर है। इसके साथ ही इसी महीने में मऊ जिला के निवासी अच्छेलाल प्रजापति की दोनों किडनी खराब है और अब वह डायलसिस पर चल रहे है। सरकार द्वारा आयुष्मान कार्ड तो है परन्तु उससे इलाज नहीं हो रहा है। अब पुनः संस्था ने तत्काल 10,000 का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। संस्था को किसी भी प्रकार का सरकारी सहयोग नहीं होते हुए भी प्रत्येक माह लोगो की जनसेवा करते रहता है। संस्था के इस तरह के कार्यों को देखते हुए अब पूरे देश भर से लोग इसमें जुड़कर दान पुण्य करते है और वही दान पुण्य लोगों के सहयोग में लगाया जाता है। संस्था के प्रमुख अजय प्रजापति मुंबई के ही निवासी है और साथ में डॉ अरुण प्रजापति, विनोद प्रजापति, इंद्रजीत प्रजापति, नॉएडा से पियूष प्रजापति, नासिक से राजेंद्र प्रजापति, जबलपुर से केवलराम प्रजापति इत्यादि अनेको साथीगण मुख्यरूप से जुड़े है।

व्यापार जगत ग्रोथ शो को मिली बड़ी सफलता

मुंबई। व्यापार जगत ग्रोथ शो 2024 मुंबई के बॉंबे स्टॉक एक्स्चेंज (बीएसई) में आयोजित किया गयो उद्योग जगत के समुदाय के लिए 1,000 से अधिक उद्यमी, 25 से अधिक एक्जिबिटर्स और 25 से अधिक प्रसिद्ध स्पीकर्स के साथ यह एक उल्लेखनीय समारोह बना है। 1 मिलियन एंट्रप्रेनर्स इंटरनॅशनल फोरम और VyapaarJagat.com द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में उद्यम की ग्रोथ की नीतियाँ, नेटकिंग के अवसर आदि विषयों पर चर्चा हुई और व्यापार जगत पत्रिका के प्रथम संस्करण का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रसिद्ध अध्यात्मिक गुरू भुपेंद्रभाई पंड्या द्वारा किया गयो 2020 में स्थापना के बाद से उनके व्यापार जगत से जुड़ने और रिश्ते के बारे में उन्होने बतायो इस कार्यक्रम का आगाज करते हुए उन्होने देशभर में किस तरह से इस मंच ने उद्यम के प्रयासों को बल दिया, यह बताया। VyapaarJagat.com के संस्थापक डॉ. प्रवीण परमार ने कहा, व्यापार जगत ग्रोथ शो उद्योजकता के भाव का एक त्यौहार बन गया है। इसे मिलनेवाला अविश्वसनीय प्रतिसाद एमएसईज को सक्षम करने के और अधिक समावेशक बिजनेस प्रणाली के निर्माण के साथ आईपीओ सफलता के उनके पथ पर उनका साथ देने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। इस शो को इतना सफल बनाने के लिए हम सहभागियों को और स्पीकर्स को उनके बहुमोल योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। बीएसई एसएमई के पूर्व प्रमुख और टीजीआई एसएमई कॅपिटल एडवायजर्स के सीईओ अजय ठाकुर ने किस तरह छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमईज) स्टॉक एक्स्चेंजेस पर लिस्ट कर अपने अवसरों का लाभ ले सकते हैं, यह बतायो उनके सत्र में आरम्भिक सार्वजनिक ऑफरिंग्ज (आईपीओज) को ले कर महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया।

मिशलिन इंडिया ने मिशलिन एआई चैलेंज के की विजेताओं की घोषणा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख टायर टेक्नोलॉजी कंपनी मिशलिन ने मिशलिन एआई चैलेंज के विजेताओं की घोषणा कर दी है। यह टायर इंडस्ट्री का पहला एआई चैलेंज था और इसे डीपीआईआईटी (डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड) और स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से लॉन्च किया गया था। इस पहल का मकसद भारत के एआई स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना, नए विचारों और उद्यमिता को बढ़ावा देना और उन्हें दुनिया की बेहतरीन पद्धतियों से परिचित कराना है। पुरस्कार समारोह का आयोजन आईआईटी दिल्ली में हुआ, जहां कई खास मेहमानों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। इसमें भारत और भूटान में ईयू प्रतिनिधिमंडल के मंत्री-काउंसलर पेट्रोस सौरमेलिस, फ्रांस दूतावास से सुश्री मैरी खाटेर, जो भारत और दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय आर्थिक विभाग की उपप्रमुख हैं, मिशलिन ग्रुप की चीफ डेटा और एआई ऑफिसर डॉ. अम्बिका राजागोपाल, और मिशलिन इंडिया के प्रबंध निदेशक शांतनु देशपांडे शामिल थे। इस कार्यक्रम के दौरान 10 स्टार्टअप्स ने अपने आइडियाज पेश किए, जिनमें से ड्ढ्ढ्रंक्क., ढ१ड्ढस्त्रौंू८ और ह्लंड्ढ्ड्ढ़ को उनके अभिनव योगदानों के लिए सम्मानित किया गया। इन स्टार्टअप्स को मिशलिन के साथ महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम करने के अवसर और मेंटरशिप प्राप्त हुई। उनके आइडियाज का गहन मूल्यांकन मिशलिन की एआई डेटा वैज्ञानिकों, बिजनेस लीडर्स, प्रोडक्ट मैनेजर्स और डेवलपर्स की एक अनुभवी टीम ने किया था। मिशलिन और डीपीआईआईटी के बीच पहले ही एक एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इसके तहत दोनों मिलकर पर्यावरण के अनुकूल इनोवेशन और उद्यमिता को बढ़ावा देंगे और स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल माहौल तैयार करेंगे, ताकि नए विचार पनप सकें और स्टार्टअप्स को विकास के सही अवसर मिल सकें। मिशलिन ग्रुप की चीफ डेटा और एआई ऑफिसर, डॉ. अंबिका राजागोपाल ने इस अवसर पर कहा मिशलिन एआई स्टार्टअप चैलेंज का उद्देश्य नए और रचनात्मक स्टार्टअप्स को पहचानना और उन्हें सहयोग देना है। इस चैलेंज में एआई एजेंट्स, लैंग्वेज मॉडल, कंप्यूटर विजन और रोबोटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, ताकि उत्पादन में सुधार, उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने, और सड़क व पैदल यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर किया जा सके।

जमीनी विवाद में दबंग युवक ने जान से करने की नीयत से किया हमला, तोड़ा वाहन का शीशा

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर अंतर्गत थाना बक्सा क्षेत्र के ओखा गांव निवासी सर्वेश शर्मा ने थाना बक्सा में एक प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि उसके पाटीदार के ही रजत शर्मा उर्फ आनंद शर्मा पुत्र अवधेश शर्मा ने जमीनी विवाद को लेकर आज दरवाजे पर खड़ी फोर व्हीलर वाहन के शीशे को छतिग्रस्त कर दिया तथा जान से मारने की नीयत से देव शर्मा पर तमंचा लेकर दौड़ पड़ा। समर आते देव शर्मा भाग कर अपनी जान बचाई। इसके बाद दबंग युवक ने दरवाजे पर खड़ी फोर व्हीलर के शीशे को तोड़कर छटग्रस्त कर दिया। मुक्त होगी ने 112 नंबर डायल कर जब पुलिस को बुलाया तो दबंग युवक मौके से फरार हो गया। बताया जाता है कि घटना में हैंड पंप को लेकर विवाद चल रहा है जबकि इस विवाद में चार बार पुलिस मौके पर आ भी चुकी थी लेकिन इसके बाद भी मन बढ़ किस्म का युवा के जान से मारने की नीयत से हमला कर बैठा। फिरहाल पुलिस समाचार लिखे जाने तक प्राथमिक की दर्ज नहीं की थी।

जनता की समस्या का समाधान करना हमारी प्राथमिकता - सीएम

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यानी रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। हमेशा की तरह सीएम योगी ने आज भी मंदिर परिसर में बैठे लोगों के पास जाकर उनकी समस्या सुनीं और उन्हें न्याय मिलने और समस्या का समाधान होने का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा कि राज्य के हर व्यक्ति की समस्या का समाधान करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करना सरकार की प्राथमिकता है। वहीं, जनता की समस्या सुनने के बाद सीएम ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, हर व्यक्ति की समस्या का समाधान करना एक संवेदनशील सरकार की प्राथमिकता होती है, इसलिए किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है।" योगी ने आश्वासन दिया कि हर व्यक्ति की समस्या का निराकरण किया जाएगा और हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।" इस जनता दर्शन में कुछ लोगों ने उनकी जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत की, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने इन मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा,यदि कोई दबंग या भू-माफिया ऐसी हिमाकत कर रहा हो तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अपराध और अपराधियों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति ही मानक होनी चाहिए। बता दें कि जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी ने करीब 300 लोगों की फरियाद सुनी। जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने किया गया। जनता दर्शन में आए लोगों को हमेशा की तरह कुर्सियों पर बैठाया गया था। इन लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक-एक कर और ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में आए कुछ लोगों ने जमीन कब्जा करने की शिकायत की। किसी ने इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लगाई। सीएम ने सभी की समस्या का समाधान करने का भरोसा दिलाया।

यूनियन के चुनाव में मान्यता हेतु नामांकन मुख्य कार्मिक अधिकारी के समक्ष दाखिल

पटना(उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ द्वारा हाजीपुर मुख्यालय में यूनियन के चुनाव में मान्यता हेतु नामांकन मुख्य कार्मिक अधिकारी के समक्ष दाखिल गया। पुरानी पेंशन व्यवस्था के मांग और युपिएस / एनपिएस के विरोध में पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, ओबीसी एसोसिएशन और एससी-एसटी एसोसिएशन के साथ संयुक्त गेट मीटिंग का आयोजन भी किया गया। इसमें पूर्व मध्य रेलवे के पाँचों मंडलों (धनबाद, पं. दीनदयाल उपाध्याय, दानापुर, सोनपुर , समस्तीपुर), हरनौत कारखाना ० मुख्यालय हाजीपुर से पूर्व मध्य रेलवे मजदुर संघ और एआईओबीसीआरइए एवं एआईएससीएसटीआरइए के कार्यकर्तागण एवं सभी पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। इस अवसर पर भारतीय रेलवे मजदूर संघ के वरीय पदाधिकारी दिलीप चक्रवर्ती एवं पूर्व मध्य रेलवे प्रभारी जे.पी. गुप्ता, बिहार प्रदेश बीएमएस के महामंत्री संजय सिन्हा, एससी-एसटी एसोसिएशन के जोनल महामंत्री पवन कुमार राम, शंभू पासवान, ओबीसी एसोसिएशन के जोनल महामंत्री सुबोध पोद्दार एवं जोनल अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, एससी-एसटी एसोसिएशन के सभी जोनल पदाधिकारीगण, पूर्व मध्य रेलवे मजदुर संघ के महामंत्री सुमन सिंह एवं जोनल अध्यक्ष रविंद्र उपाध्याय, जनरल संगठन मंत्री प्रिय रंजन, दानापुर मंडल मंत्री अशोक कुमार सिंह, सुबोध कुमार शाखा सचिव, प्रशांत कुमार उपाध्यक्ष सहित अन्य लोग थे।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने पटना में किया अपने तीसरे एक्सक्लुसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन

पटना (उत्तरशक्ति)। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने ज्वेलरी क्षेत्र में सफलता का आगाज करते हुए पटना में बोरिंग रोड स्थित अपने तीसरे शोरूम का शानदार शुभारंभ किया जो पूरे देश में 51वां शोरूम है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी का यह बिहार में चौथा शोरूम है। इस उद्घाटन के अवसर पर हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया उपस्थित थे। शोरूम के भव्य उद्घाटन समारोह के अवसर पर ग्राहकों के लिये किसना द्वारा डायमंड ज्वेलरी पर 100 प्रतिशत तक मेकिंग चार्ज की छूट दी जा रही है, वहीं गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 20 प्रतिशत तक की भारी छूट मिल रही है। ग्राहकों के उत्साह को और बढ़ाते हुए किसना ने अबकी बार आपके लिये शॉप एंड विन ए कार जैसे आकर्षक कैंपेन ऑफर किये हैं, जिसमें 100 से अधिक कारों में से जीतने का मौका दिया गया है। ग्राहक 20 हजार या इससे अधिक कीमत वाले डायमंड, प्लेटिनम या सॉलिटेयर ज्वेलरी या 50 हजार या इससे अधिक कीमत वाले गोल्ड ज्वेलरी खरीदकर इसमें भाग ले सकते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक और प्रबंध निदेशक, घनश्याम ढोलकिया ने कहा, पटना हमारी सफलता के सफर में एक खास स्थान रखता है। यह नया शोरूम बिहार के उपभोक्ताओं को बेजोड़ आभूषण और अनोखा अनुभव प्रदान करने के प्रति हमारे प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह विस्तार, हर घर किसना के हमारे विजन के अनुरूप किया गया है, जहां हमारा उद्येश्य डायमंड ज्वेलरी के लिये हर महिला के सपने को साकार करते हुए भारत का तेजी से बढ़ता ज्वेलरी ब्रांड बनना है।

इस मौके पर किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वैलरी के निदेशक पराग शाह ने कहा कि दिवाली रौशनी का त्योहार है, और इस विशेष अवसर पर अपना तीसरा शोरूम लांच करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही, क्योंकि इसके खुलने के साथ पूरे भआरत में हमारे 52 शओरूम हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह दिवाली सभी के लिये रौशनी और खुशी लेकर आता है, उसी तरह हमारा लक्ष्य अपने महत्वपूर्ण उपभोक्ताओं को उत्तम आभूषण संकलन के जरिये खुशी प्रदान करना है। वहीं, किसना के फ्रैंचाइज पार्टनर शिवम रंजन ने उत्साहित होकर कहा कि किसना के साथ साझेदारी हमारे लिये गर्व का अनुभव रहा है। किसना का त्योहार के लिये आभूषण संग्रह, त्योहार की चमक को और भी बढ़ाने के लिये डिजाइन किया गया है। हमें इस शुभ अवसर पर स्थानीय लोगों के लिये इस खूबसूरत पेशकश को पेश करने की खुशी है। गौरतलब है कि समाज के लिये ब्रांड की अपनी प्रतिबद्धता के तहत उद्घाटन कार्यक्रम में पर्यावरण की सुरक्षा के लिये वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही किसना द्वारा जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया गया।

इस फेस्टिव सीजन में पीएनबी पेश करता है विशेष ऑफर

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, ने अपने ग्राहकों के बचत और सुविधा दोनों के साथ फेस्टिव सीजन के अनुभव को यादगार बनाने के लिए कई रोमांचक क्रेडिट कार्ड ऑफर पेश किए हैं। कार्डधारक पाइन लैब्स पीओएस टर्मिनलों पर किए गए टिकाऊ वस्तुओं, यात्रा बुकिंग, डाइनिंग अनुभव, खाद्य और किराना वितरण तथा ईएमआई-आधारित खरीद पर विशेष कैशबैक और आकर्षक छूट का लाभ उठा सकते हैं। सभी पाइन लैब्स पीओएस टर्मिनलों पर ईएमआई-आधारित खरीद पर ऑफर इस प्रकार है। जिसमें विजय सेल्सः सभी श्रेणियों में 15,000 के न्यूनतम लेन-देन पर 10% या 5,000 तक की छूट। वोल्टासः उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर 12.5% तक कैशबैक या 5,000 तक की छूट। लॉयडः उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर 22.5% तक कैशबैक या 6,000 तक की छूट। आईएफबीः उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर 20% तक कैशबैक या 9,000 तक की छूट। गोदरेजः रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव, एयर कंडीशनर, एयर कूलर और डिशवॉशर पर 20% तक कैशबैक। बॉशः रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, डिशवॉशर, खाना पकाने के उपकरण और वैक्यूम क्लीनर पर 20% तक कैशबैक। व्हर्लपूलः रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव, डिशवॉशर और वाटर प्योरीफायर पर 12,000 तक 20% तक कैशबैक। डेकिनः एयर कंडीशनर पर 5% तक कैशबैक या 2,500 तक का कैशबैक। टीसीएलः टेलीविजन, ऑडियो सिस्टम, वॉशिंग मशीन और एयर कंडीशनर पर 10% तक या 10,000 तक का कैशबैक।

आईआईटी कानपुर PhD की छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में पीएचडी की पढ़ाई कर रही 28 वर्षीय एक छात्रा ने बृहस्पतिवार को छत के हुक से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आईआईटी कानपुर में पिछले एक वर्ष में आत्महत्या का यह चौथा मामला है। कानपुर के सनिगवां की रहने वाली प्रगति खरया संस्थान में पृथ्वी विज्ञान में पीएचडी कर रही थीं। पुलिस ने बताया कि उसने अपने छात्रावास के हॉल संख्या-चार के कमरे डी-116 में रात के समय आत्महत्या कर ली लेकिन मामला बृहस्पतिवार दोपहर प्रकाश में आया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को दोपहर करीब 12 बजे पीएचडी छात्रा द्वारा आत्महत्या करने की सूचना मिली।

उन्होंने बताया कि आत्महत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची और पाया कि प्रगति के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। सहायक पुलिस आयुक्त (कल्याणपुर) अभिषेक पांडे ने बताया कि दरवाजा तोड़ने पर महिला का शव पंखे से लटका हुआ मिला, जिसके बाद फोरेंसिक टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया। अधिकारी ने बताया कि कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है, जिसमें छात्रा ने अपने इस कदम के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया। उन्होंने बताया कि छात्रावास के कमरे से मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है, जिससे पुलिस को आत्महत्या के पीछे के रहस्य को सुलझाने में मदद मिल सकती है।

पांडे ने बताया कि आत्महत्या के पीछे के संभावित कारणों का खुलासा प्रारंभिक जांच और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद ही हो पाएगा। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आईआईटी कानपुर द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, संस्थान पृथ्वी विज्ञान विभाग की पीएचडी छात्रा प्रगति खरया के दुखद और असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करता है। खरया ने दिसंबर 2021 में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया था। बयान के मुताबिक, मौत की परिस्थितियों की जांच करने के लिए पुलिस की एक फोरेंसिक टीम ने परिसर का दौरा किया है और संस्थान कारण का पता लगाने के लिए पुलिस जांच के परिणामों की प्रतीक्षा कर रहा है।

29 साल पहले बड़े पिता को बम से उड़ाकर हत्या करने के आरोपी को आजीवन कारावास

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के शाही पुल के पास 29 वर्ष पूर्व बम से मारकर अपने बड़े पिता अबुल हसन की हत्या करने के दोषी फकरे आलम को जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल ने आजीवन कारावास व 25000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाया। अर्थदंड अदा न करने पर 2 वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अबुल हसन निवासी नक्खास थाना कोतवाली ने कोतवाली थाने में जुबानी सूचना पंजीकृत कराया था। अभियोजन के अनुसार उसकी जमीन और मकान के फ्लोर के बाबत उसके सगे भाई मकबूल व उनके लड़के फकरे आलम से रंजिश चली आ रही थी और यह लोग उसे जान से मार डालना चाहते थे। 16 सितंबर 1995 को मृतक चहारसू से पैदल अपने घर जा रहा था। जब वह शाही पुल के पास राजपूत कोठी के सामने करीब 10:15 बजे रात पहुंचा कि तभी सड़क के बाएं तरफ घात लगाकर बैठे उसके भाई मकबूल, मकबूल का पुत्र फकरे आलम व उनका साथी ओमप्रकाश अपने हाथों में देसी बम व बांका लेकर जान से करने के लिए दौड़े। मृतक अपनी जान बचाने के लिए भागा, मकबूल व फकरे आलम ने उस पर बम से हमला कर दिया जिससे वह घायल होकर सड़क पर गिर गया। ओमप्रकाश ने बांका से प्रहार किया। उसके शोर पर व बमों की आवाज सुनकर पुलिस वाले मौके पर आए। तीनों आरोपी भाग गए। पुलिस वाले अबुल हसन को लादकर थाने ले गए। उसके बाद सदर अस्पताल ले गए। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे वाराणसी रेफर किया गया। दूसरे दिन दौरान उपचार अबुल हसन की मृत्यु हो गई। पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। डीजीसी सतीश पांडेय एवं राजनाथ चौहान ने गवाहों को परीक्षित कराया। दो आरोपियों की दौरान मुकदमा मृत्यु हो गई। कोर्ट ने मृतक के मृत्यु पूर्व बयान को दो सिद्धि का आधार माना। दोनों पक्षों की दलील सुनने एवं समस्त साक्ष्यों का परिशीलन करने के बाद आरोपी फकरे आलम को हत्या के जुर्म में दोषी पाते हुए सजा सुनाया।

रिटायर्ड सूबेदार मेजर के घर से सोने चांदी के आभूषणों तथा नगदी सहित 20 लाख की चोरी

झांसी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में झांसी के प्रेमनगर थानाक्षेत्र में एक रिटायर्ड सूबेदार मेजर के सूनसान घर को निशाना बनाते हुए सोने और चांदी के आभूषणों तथा नगदी सहित 20 लाख की चोरी को अंजाम दिया है। मामला प्रेमनगर थानाक्षेत्र में हंसारी चौकी अंतर्गत न्यू गोविंद नगर का है। जहां चोरों ने 2021 में सेना ने रिटायर हुए सूबेदार मेजर संतोष कुमार शुक्ला के घर में लाखों की चोरी को अंजाम दिया है। शुक्ला बांदा जिले के निवासी है लेकिन 2022 से झांसी के न्यू गोविदं नगर में घर बनाकर यही परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि वह सपरिवार 13 सितंबर को गांव गये थे। जहां पर इनके पिता का 19 सितंबर को पितृपक्ष होने की वजह से श्राद्ध था। घर पर रिश्तेदारों को बुलाने के लिए यह 13 सितंबर को निकल गए 19 सितंबर को संतोष कुमार शुक्ल द्वारा अपने पिता का श्राद्ध किया। 20 सितंबर को इनके पड़ोसी दीपक शर्मा द्वारा फोन के माध्यम से सूचना दी कि आपके घर का मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है ऐसा लग रहा है कि कोई आपके घर में घुसा हुआ है। संतोष कुमार शुक्ल द्वारा तत्काल सूचना 112 नंबर पर दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो घर में कोई नहीं था। 112 पुलिस द्वारा चौकी प्रभारी हंसारी को बुलाया और उन्हें भी अवगत कराया क्योंकि प्रभारी हसारी द्वारा संतोष शुक्ला से बात की चोरी की बात सुनते ही संतोष शुक्ला तत्काल बांदा से निकले और 20 सितंबर को दोपहर 1:00 बजे घर आ गए। पुलिस को बुलाया गया जब वह अंदर घुसे तो देखा घर के अंदर सारा सामान फैला हुआ पड़ा था। घर के सभी कमरों के ताले टूटे हुए थे। जब उन्होंने छानबीन की तो पता चला की संतोष कुमार शुक्ला की पत्नी नीता शुक्ला और उसकी बहू पूनम शुक्ला का रखा हुआ जेवर चोर चुरा ले गए साथ ही अलमारी के अंदर रखे 30000 नगद भी ले गए।

सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी प्रेम नगर द्वारा फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया साथ ही साथ तहरीर लेकर मुकदमा पंजीकृत किया। चोरों के जगह-जगह नंगे पैरों के निशान थे जिससे मालूम पड़ रहा है कि चोरों द्वारा बरसात होने के दिन रात में चोरी की। छत से आने वाले गेट का भी ताला टूटा हुआ था। संतोष शुक्ला के तीन पुत्र हैं जिसमे बड़ा 30 वर्षीय पुत्र कपिल देव शुक्ला नोएडा में इंजीनियर है। दूसरे नंबर का पुत्र 28 वर्षीय ब्रह्मदेव शुक्ला प्राइवेट टीचर है और यह राम लखन इंटर कॉलेज हंसारी में पड़ता है। तीसरे नंबर का 26 वर्षीय पुत्र बीएएमएस डॉक्टर है और यह मेडिकल पर सिटी अपोलो हॉस्पिटल में इलाज करता है। घटना के बाद सभी का रो-रो कर बुरा हाल है। घर की सारी जमा पूंजी चोर उड़ा कर ले गए। पैरों के निशान से लग रहा कि चोरों की संख्या तीन से चार थी जिनके अलग-अलग जगह पैरों के निशान थे।

ट्रैक्टर से पड़वा को लगी चोट पर हुई मारपीट,पांच घायल, मुकदमा दर्ज

जौनपुर,(उत्तरशक्ति) ।जफराबाद क्षेत्र के राजेपुर मतुला गांव में शुक्रवार को ट्रैक्टर से भैस के पड़वे को चोट लगने पर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी ।जिसमे दो महिलाओं सहित पांच लोग घायल हो गए ।सभी घायलो को पुलिस ने उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया ।ऊक्त गांव निवासी सतीश यादव पुत्र गौरीशंकर यादव अपना ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने जा रहा था ।ट्रैक्टर की चपेट में आकर उसके पड़ोसी अनुज यादव पुत्र अनिरुध्द यादव के भैस का पड़वा घायल हो गया ।इसी बात पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गयी ।जिसमें एक पक्ष के अनुज यादव,उसकी माँ सावित्री देवी तथा अनिता पत्नी राजकुमार यादव तथा दूसरे पक्ष के सतीश यादव तथा उसका भांजा आयुष यादव घायल हो गए। ।हरीर के आधार पर दोनो पक्षों के पांच लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।